अनुक्रमणिका

शेवडे के उपन्यासोंका विकासात्मक अध्ययन

पृष्ठ क्रमांक

प्रथम अध्याय

हिन्दी उपन्यास साहित्य और शेवडे १-१७

(अ) विषय प्रवेश

(आ) हिन्दी उपन्यास का उद्भव

(इ) हिन्दी उपन्यास का विकास

(१) पूर्व प्रेमचंद युग

(२) प्रेमचंद युग

(३) प्रेमचन्दोत्तर युग

(ई) हिन्दी उपन्यास परम्परामें शेवडे जी का अविर्भाव

(उ) निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय

शेवडे जी के उपन्यासों का विकासात्मक अध्ययन १८-३५

(ऊ) विषय प्रवेश

(ए) शेवडेजी के स्वातंत्र्यपूर्व उपन्यास

(ऐ) शेवडे जी के स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास

(ओ) शेवडे जी के साठोत्तरी उपन्यास

(औ) निष्कर्ष

तृतीय अध्याय

शेवडे जी के उपन्यासों का स्वरूपगत विकास ३६-७५

(क) प्रास्ताविक

(ख) शेवडे जी के उपन्यासों का स्वरूपगत वर्गीकरण

(ट) सामाजिक उपन्यास

(१) हिन्दी के सामाजिक उपन्यासोंका स्वरूप एवं विकास

(२) शेवडे जी के सामाजिक उपन्यासों का क्रमिक विकास

(३) शेवडे जी के सामाजिक उपन्यासों में वर्णित समस्याएँ

(ठ) राजनीतिक उपन्यास

(१) हिन्दी के राजनीतिक उपन्यासों का स्वरूप एवं विकास

(२) शेवडे जी के राजनीतिक उपन्यासोंका क्रमिक विकास

(३) शेवडे जी के राजनीतिक उपन्यासों में वर्णित समस्याएँ

(ड) मनोवैज्ञानिक उपन्यास

(१) हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का स्वरूप एवं विकास

(२) शेवडे जी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास 'अधूरा सपना'

(ढ) शेवडे जी का साहित्यिक उपन्यास 'कोरा कागज'

(ण) शेवडे जी का दार्शनिक उपन्यास 'अमृतकुम्भ'

(ग) निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय

शेवडे के उपन्यासों का शिल्पवैधानिक विकास ७६-१११

(य) प्रास्ताविक

(र) शेवडे जी के उपन्यासों में कथावस्तु का विकास

(ल) शेवडे जी के उपन्यासों में पात्र-चरित्रचित्रण का विकास

(व) शेवडे जी के उपन्यासों में कथोपकथन का विकास

(श) शेवडे जी के उपन्यासों में देशकाल वातावरण का विकास

(ष) शेवडे जी के उपन्यासों में भाषा शैली का विकास

(स) शेवडे जी के उपन्यासों में उद्देश्य तत्व का विकास

(ह) निष्कर्ष

पंचम अध्याय

हिन्दी उपन्यास साहित्य में शेवडे जी के योगदान का अनुशीलन ११२-११५

परिशिष्ट

(१) शेवडे जी का उपन्यास साहित्य ११६-

(२) संदर्भ ग्रंथ ११७-११८